

उत्तरांचल शासन  
औद्योगिक विकास अनुभाग-1  
संख्या: 795 / VII-1 / 06 / 73-रिट / 2005  
देहरादून : दिनांक: 22, फरवरी, 2006

## कार्यालय-ज्ञाप

जनपद-बागेश्वर के ग्राम कुनौली सुनेड़ा आदि में 8.38 वर्ग किमी० क्षेत्र में सोपरटोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने हेतु खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदिका श्रीमती सुनीता जायसवाल पत्नी श्री दुष्यन्त जायसवाल, नि० न्यू लाईन रामनगर, जनपद-नैनीताल ने दिनांक 18.07.1995 को जिलाधिकारी कार्यालय, बागेश्वर में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदिका द्वारा अपने उक्त आवेदन पत्र के साथ आवेदित क्षेत्र का भूकर मानचित्र, हाल खसरा, खतौनी, भूस्वामियों की सहमति, 1893 की विज्ञप्ति के अनुसार खसरा आदि अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गये। आवेदन पत्र में पायी गयी उक्त कमियों के निराकरण हेतु आवेदिका को जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा दिनांक 19.10.2001 को पंजीकृत डाक से सूचना प्रसारित की गयी परन्तु आवेदिका के स्तर से उक्त कमियों का निराकरण नहीं किया गया और न ही कोई प्रत्युत्तर दिया गया।

'खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम 12(1) के प्राविधानान्तर्गत आवेदन पत्र को निरस्त करने से पूर्व आवेदिका को सुनवाई का अवसर (अधिकतम एक माह) दिया जाना आवश्यक है, जो कार्यवाही जिलाधिकारी, बागेश्वर स्तर से पूर्ण की गयी' को दृष्टिगत रखते हुए शासनादेश संख्या: 759/सात/04/120-ख/04; दिनांक 29 दिसम्बर, 2004 के माध्यम से आवेदिका श्रीमती सुनीता जायसवाल के उक्त आवेदन पत्र दिनांक 18.07.1995 को निरस्त कर दिया गया। उक्त शासनादेश दिनांक 29 दिसम्बर, 2004 के अनुपालन में जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा विज्ञप्ति संख्या: 306/तीस-खनन/2004-05; दिनांक 22 जनवरी, 2005 के माध्यम से इच्छुक व्यक्ति/संस्थाओं को उक्त क्षेत्र में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए।

उक्त निर्णयों को चुनौती देते हुए श्रीमती डोनिटा व तीन अन्य द्वारा रिट याचिका संख्या: 792(एम/बी)/2005 के माध्यम से मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में रिट याचिका दायर की गयी। उक्त वाद के सम्बन्ध में मा० उच्च न्यायालय की मा० डिविजन बेंच ने दिनांक 07.12.2005 को निर्णय पारित करते हुए याचीगण को नोटिस के संदर्भ में बांछित अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 07.12.2005 से एक माह का समय दिया था। श्रीमती सुनीता जायसवाल द्वारा मा० उच्च न्यायालय द्वारा दी गयी एक माह की समयसीमा अर्थात् 06.01.2006 तक बांछित अभिलेख जिलाधिकारी कार्यालय, बागेश्वर में प्रस्तुत नहीं किये गये। अतः श्रीमती सुनीता जायसवाल पत्नी श्री दुष्यन्त जायसवाल के प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 18.07.1995 को एतद् द्वारा अस्वीकृत किया जाता है।

61-  
(संजीव चोपड़ा)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 795 (1) / VII-1 / 06 / 73-रिट / 2005, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।
3. राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्रीमती सुनीता जायसवाल पत्नी श्री दुष्यन्त जायसवाल, नि० न्यू लाईन रामनगर, जनपद-नैनीताल।

आज्ञा से,

61-  
(संजीव चोपड़ा)  
सचिव।